मूल्य : एक प्रति ` 0.50 वार्षिक ` 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 17, अंक 4 अप्रैल 2012

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

ट्रस्ट-अधिकारियों के लिए नेतृत्व कौशल पर कार्यक्रम	3
ने.बु.ट्र. के सहयोग से दिल्ली में पुस्तक मेला व हास्य कवि सम्मेलन	3
ने.बु.ट्र. में हिंदी शिक्षण योजना	3
विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस	4
बोलोना का बाल पुस्तक मेला	5
दो ट्रस्टकर्मी सेवानिवृत्त	5
नेशनल बुक ट्रस्ट के नवीनतम प्रकाशन	7
पुस्तक समीक्षा	7
बाल साहित्य के लिए एक केंद्र	8

नवीनतम प्रकाशन

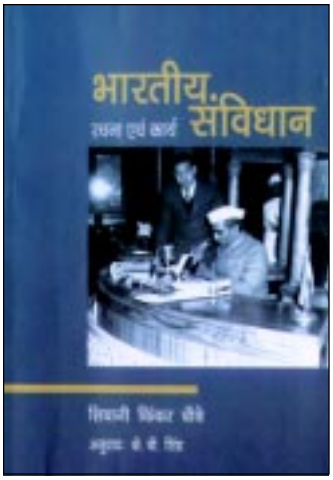

भारतीय संविधान : रचना एवं कार्य

शिवानी किंकर चौबे

अनुवाद : के. बी. सिंह

पृ. 250 ` 115

सभी अच्छी पुस्तकों का पठन अतीत के श्रेष्ठ लोगों के साथ एक संवाद है।

–रेने डिस्कार्टेस

'गदर मूवमेंट : ए शॉर्ट हिस्ट्री' का लोकार्पण

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा हाल ही में प्रो. हरीश के. पुरी लिखित पुस्तक 'गदर मूवमेंट : ए शॉर्ट हिस्ट्री' का लोकार्पण नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 11 मार्च, 2012 को हुआ। इस अवसर पर प्रख्यात पत्रकार श्री कुलदीप नय्यर ने कहा, "आज क्या हम उस काल के हालात एवं भावनाओं को अनुभूत कर सकते हैं?" उन्होंने कहा कि यह पुस्तक हमें स्वाधीनता संग्राम के बारे में बताती है और यह भी बताती है कि "कल यह क्या स्वरूप लेगी"। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष इस आंदोलन के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। हमें गदर के अभियानकर्ताओं के विचारों को फैलाना चाहिए, क्योंकि वे हमारे नायक हैं, उन्होंने हमें प्रेरणा दी। हमें यह देखना चाहिए कि हमारे बच्चे अपने सोचने की शुरुआत भारत से करें। श्री नय्यर ने कहा कि गदर आंदोलनकारियों के पास कोई संसाधन नहीं था और न ही क्रांति की शुरुआत के लिए कोई दीर्घावधि योजना। उनके विचार ही उनकी पहचान थे। उनका मानना था कि स्वाधीनता के बाद प्रत्येक भारतीय को काम, रहने को छत और भोजन मिलेगा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग के सदस्य डॉ. मोहिंदर सिंह; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एकेडमिक स्टाफ के उपनिदेशक डॉ. राकेश भट्टाब्याल और नई दिल्ली स्थित पंजाब अध्ययन के राष्ट्रीय संस्थान के विजिटिंग फुलब्राइट फेलो श्री सुनित सिंह भी बोले।

सभी वक्ताओं का समवेत मत था कि गदर आंदोलनकारी इतिहास, 1857 के विद्रोह तथा अकाल की उपज थे। उनमें जागरूकता थी, वे पंथनिरपेक्ष थे और सामाजिक न्याय एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखते थे। इस क्रांति ने भारत में स्वाधीनता संग्राम के अन्य आंदोलनों को प्रेरित किया।

विदित हो कि यह पुस्तक ट्रस्ट की लोकोपयोगी सामाजिक विज्ञान पुस्तकमाला के अंतर्गत अंग्रेजी में प्रकाशित हुई है।

पुस्तक के लेखक प्रो. हरीश के. पुरी राजनीति शास्त्र के पूर्व प्रोफेसर तथा गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में बी.आर. आंबेडकर पीठ के प्रमुख रहे हैं। राजनीतिक आंदोलन, संघवाद, दलित, नृजातीयता, जाति एवं धर्म तथा आतंकवाद की राजनीति पर उनके गहन शोध एवं लेखन हुए हैं। उनकी कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं : *गदर मूवमेंट : आइडियोलॉजी, ऑर्गेनाइजेशन एंड स्ट्रैटजी; टेररिज्म इन पंजाब : अंडरस्टैंडिंग ग्रासरूट्स रियलिटी* (सहलेखक) आदि।

नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया पाठकों की भाषा, संस्कृति, आयु-वर्ग और रुचियों की विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की पुस्तकें प्रकाशित करता है। इस प्रकार विज्ञान, कला, पर्यावरण तथा कई अन्य विषयों के सूचना-प्रधान साहित्य से लेकर देश के विभिन्न क्षेत्रों के कथा साहित्य; और बच्चों के लिए सुंदर ढंग से चित्रित साहित्य तक व्यापक विषयों पर ट्रस्ट की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें 32 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में, उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। ट्रस्ट का लगातार यह प्रयास रहा है कि वह अपने प्राधिकृत पुस्तक विक्रेताओं के एक बेहतर नेटवर्क के अलावा देश के प्रत्येक जिले में किताब क्लब सदस्यों के नामांकन के द्वारा अपनी किताबें पहुंचाए।

ट्रस्ट की पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ट्रस्ट 1994 से ही एक किताब क्लब योजना का संचालन कर रहा है।

नियम एवं शर्तें

सदस्यता

1. भारत का कोई भी व्यक्ति या संस्था नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब का सदस्य बन सकता है।
2. व्यक्ति के लिए 100/-रुपये तथा संस्थाओं के लिए 500/- रुपये का नाममात्र का आजीवन अप्रतिदेय सदस्यता शुल्क।

मुख्य विशेषताएं

1. सदस्यों को एक विशेष परिचय नंबर के साथ सदस्यता कार्ड जारी किया जाएगा।
2. किताब क्लब के सदस्य ट्रस्ट के क्षेत्रीय कार्यालयों, प्रदर्शनी/पुस्तक मेला स्टॉल, सचल वाहन एवं ट्रस्ट के अन्य विक्रय केंद्रों से ट्रस्ट की पुस्तकों की खरीद पर 20 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं।
3. नेशनल बुक ट्रस्ट सांस्थानिक सदस्यों को ट्रस्ट के मासिक बुलेटिन, सूचीपत्र तथा अन्य प्रचार सामग्री नियमित रूप से भेजेगा।
   सूचीपत्र, अन्य प्रचार/सूचना सामग्री तथा हमारे मुद्रित बुलेटिनों की सॉफ्ट कॉपी किसी व्यक्तिगत सदस्य को उनके अनुरोध पर डाक/ई-मेल द्वारा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

डाकखर्च

4. पुस्तकें वी.पी.पी./बुक पोस्ट (अग्रिम भुगतान होने पर) से भेजी जाएंगी। 200 रुपये या उससे कम के आदेश पर पूरा डाकखर्च जोड़ा जाता है और 201 रुपये से अधिक के आदेश पर ट्रस्ट पूरा डाकखर्च वहन करेगा।

किताब क्लब सदस्यता प्रपत्र

(व्यक्तिगत / सांस्थानिक)

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया
वसंत कुंज, फेज-II, नई दिल्ली-110070
दूरभाष : 011-26707700 फैक्स : 011-26121883
ई-मेल : nbtindia@nbtindia, वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

(कृपया इस प्रपत्र के साथ **नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया** के नाम 100/500 रुपये का बैंक ड्राफ्ट भेजें)।

1. नाम/संस्था (स्पष्ट अक्षरों में).....
   .....
2. पूरा पता.....
   .....
   .....पिन कोड.....
3. फोन/मोबाइल नं. .....
4. ई-मेल.....
5. व्यवसाय.....
6. उम्र.....
7. बैंक ड्राफ्ट का विवरण.....
   बैंक ड्राफ्ट सं. एवं तिथि.....
   द्वारा जारी.....
   प्राप्य बैंक.....

मैंने एनबीटी किताब क्लब की सदस्यता के नियम-विनियम पढ़ लिए हैं और ये मुझे मान्य हैं ।

हस्ताक्षर

स्थान : .....

दिनांक : .....

(क्रम सं. 1,2,4 तथा 7 अनिवार्य हैं)।

— — — — — — — — — — — — — — — — — — — —

मैं.....श्री/श्रीमती/सुश्री.....

से किताब क्लब सदस्यता के लिए.....रुपये प्राप्त करता हूं।

(हस्ताक्षर)

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के लिए

ट्रस्ट-अधिकारियों के लिए नेतृत्व कौशल पर कार्यक्रम

दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 9-10 मार्च, 2012 को नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के अधिकारियों के लिए 'नेतृत्व कौशल' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल ऑफ बिजनेस, पब्लिक पॉलिसी एंड सोशल एंटरप्रेन्योरशिप, आंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली के द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में स्रोत व्यक्ति थे–डॉ. तुहिना मुखर्जी (फैकल्टी, आं.यू.), सुश्री एन. श्रीमती (स्वतंत्र प्रबंधन सलाहकार) तथा डॉ. कुरियाकोसे मॅमकुट्टम (फैकल्टी, आंबेडकर यूनिवर्सिटी)। कार्यक्रम का उद्घाटन आंबेडकर यूनिवर्सिटी के वी.सी. श्री श्याम बी मेनन ने किया।

अनेक सत्रों में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में संबद्ध विषय पर परिचयात्मक उद्बोधन हुए। फिर, प्रबंधकीय भूमिका, प्रबंधक–एक नेता के रूप में, स्वयं को समझना, नेतृत्व एवं संप्रेषण, नेतृत्व शैली, अंतर्वैयक्तिक प्रभाविता, नेतृत्व एवं टीम निर्माण आदि विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम समापन पर प्रतिभागी सभी 21 अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

ने.बु.ट्र. के सहयोग से दिल्ली में पुस्तक मेला व हास्य कवि सम्मेलन

नई दिल्ली स्थित पीतमपुरा दिल्ली हाट में नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से दिशा फाउंडेशन द्वारा पुस्तक मेला एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। 16 से 19 मार्च, 2012 तक इस पुस्तक मेले के दौरान 18 मार्च को 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और किताबें' विषय पर एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में किताबों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के समक्ष और अधिक कैसे मजबूत एवं जीवंत रखा जा सकता है तथा युवाओं के बीच किताबों को कैसे लोकप्रिय किया जाए इस पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। भाग लेने वाले वक्ता थे–रविकांत (स्टार न्यूज), आलोक श्रीवास्तव (आज तक), आकांक्षा पारे काशिव (आउटलुक) तथा अतुल सिंघल (न्यूज एक्सप्रेस)। मुख्य अतिथि थे–ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर, डॉ. संजय दुबे (प्रसार भारती) तथा डॉ. विमलेश कांत वर्मा (वरिष्ठ भाषा वैज्ञानिक)। इसी दिन हास्य कवि सम्मेलन का उद्घाटन वरिष्ठ हास्य कवि श्री सुरेंद्र शर्मा ने किया। प्रतिभागी कवि थे–डॉ. विनय विश्वास, वेदप्रकाश वेद, बागी चाचा, अंजु जैन, दीपक सैनी, विनय विनम्र, आलोक श्रीवास्तव, चरणजी चरण व अनिल अग्रबंशसी। संचालन राजेश चेतन ने किया।

विदित हो कि ट्रस्ट के सहयोग से दिशा फाउंडेशन विगत पांच वर्षों से पीतमपुरा दिल्ली हाट में पुस्तक मेला का आयोजन कर रहा है।

ने.बु.ट्र. में हिंदी शिक्षण योजना

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ कक्षाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 45 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विदित हो कि गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा इस कार्यक्रम का संचालन अधिकारियों/कर्मचारियों में हिंदी के ज्ञान का विकास करने तथा उसे दैनिक कार्यों में क्रियान्वित कराने के लिए किया जाता है।

हाल ही में प्रवीण तथा प्राज्ञ परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को नियमानुसार प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। ट्रस्ट के अन्य लगभग 25 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नियमित रूप से प्रशिक्षण की कक्षाएं ट्रस्ट परिसर में ही लगती हैं।

लेखक-पत्रकार राजेंद्र शंकर भट्ट नहीं रहे

वरिष्ट पत्रकार एवं साहित्यकार राजेंद्र शंकर भट्ट का 19 मार्च, 2012 को जयपुर में निधन हो गया। वे 95 साल के थे। उन्होंने कई किताबें लिखी थीं।

भट्ट ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ही पत्रकारिता की शुरुआत की थी। उन्होंने राजस्थान के कई संस्थानों में बतौर पत्रकार काम किया। वे हिंदी दैनिक *नवज्योति* के संपादक भी रहे। वे राज्य के सूचना और जनसंपर्क निदेशक भी रहे थे। उन्हें प्रतिष्ठित महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन समेत अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए थे। पत्रकारिता और साहित्य के अलावा इतिहास में भी उनकी गहरी रुचि थी। नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की पुस्तकमाला, राष्ट्रीय जीवनचरित के अंतर्गत उनकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हैं। ये हैं : *महाराण कुंभा, महाराणा प्रताप* तथा *सवाई जयसिंह*।

शोक

नेपाल सिंह : ट्रस्ट में यूडीसी पद पर कार्यरत नेपाल सिंह का 25 फरवरी, 2012 को असामयिक निधन हो गया। उन्होंने 1980 में ट्रस्ट में अपनी सेवा की शुरुआत की थी। लगभग 32 वर्ष लंबी अपनी सेवा-अवधि में उन्होंने ट्रस्ट के संपादकीय, डिस्पैच-प्रशासन, लेखा एवं उत्पादन विभागों में अपनी सेवाएं दीं।

पुत्तू लाल : ट्रस्ट में 1968 में चतुर्थ श्रेणी में नियुक्त पुत्तू लाल का 5 मार्च, 2012 को निधन हो गया। उन्होंने 1974 में पैकर के रूप में प्रोन्नति पाई, 1981 में प्रोन्नत होकर स्टोर एटेंडेंट बने, तदंतर जेस्टेटनर ऑपरेटर के पद पर 1996 में प्रोन्नत हुए। 35 वर्षों के अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने प्रशासन, विक्रय स्टोर तथा संपादकीय विभागों में सेवाएं दीं।

ट्रस्ट परिवार दिवंगत आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है एवं शोकाकुल परिवार को दुख सहन करने की शक्ति मिले इसकी कामना करता है।

पाठक मंच बुलेटिन

बच्चों की द्विभाषी पत्रिका

वार्षिक शुल्क : ` 50.00

संपर्क करें : **संपादक, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II

वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस

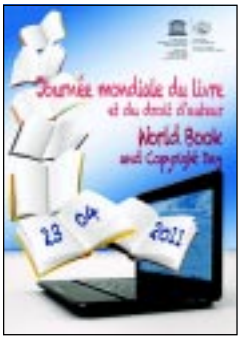

प्रत्येक वर्ष 23 अप्रैल को विश्व भर में **विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस** मनाया जाता है। यूनेस्को (UNESCO) द्वारा आयोजित इस दिवस का उद्देश्य पठन एवं प्रकाशन को प्रोत्साहित करना एवं बौद्धिक संपदा को कॉपीराइट के द्वारा संरक्षा प्रदान करना है। यूनेस्को ने इस वर्ष के विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस को 'पुस्तक एवं अनुवाद' विषय पर केंद्रित किया है। इस नाते वर्ष भर पूरी दुनिया में अनुवाद से संबंधित गतिविधियों के आयोजन किए जाएंगे। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष विश्व की अनेक भाषाओं में बड़े पैमाने पर आपसी अनुवाद कार्य संपन्न होते हैं और इस अनुवाद के माध्यम से हम बौद्धिक साहित्य एवं अन्य विषयों, विधाओं के बारे में जान पाते हैं।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस सन् 1995 से प्रति वर्ष मनाए जाते हैं। दरअसल, 23 अप्रैल को विश्व की अनेक महान साहित्यिक हस्तियों के जन्म या पुण्य तिथि पड़ते हैं। इनमें शामिल हैं : मिगुएल दे सरवांतेज, मॉरिस द्रुओं, इन्का गार्सिलासो दे ला वेगा, हाल्दर किलजान लैक्सनेस, मैनुएल मेजिआ वलेजो, व्लादीमीर नाबोकोव, जोसेप प्ला तथा विलियम शेक्सपियर। पूरे विश्व में पठन को प्रोन्नत एवं प्रोत्साहित करने तथा पुस्तकों से जुड़े अनेक सांस्कृतिक आयामों को समेटते कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की वर्ष भर धूम रहेगी। इनमें से अनेक कार्यक्रम देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग या मैत्री पर बल प्रदान करने के उद्देश्य से होंगे।

पूरे विश्व के किसी एक शहर को विश्व पुस्तक राजधानी घोषित करने के उद्देश्य से यूनेस्को प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संगठन, अंतरराष्ट्रीय पुस्तक विक्रेता संघ तथा पुस्तकालय संगठन एवं संस्थाओं के अंतरराष्ट्रीय संघ के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त बैठक का आयोजन करता है।

वर्तमान विश्व पुस्तक राजधानी अर्जेंटीना का राजधानी शहर ब्यूनस आयर्स है। आर्मेनिया का शहर येरेवान 23 अप्रैल, 2012 से 22 अप्रैल, 2013 तक विश्व पुस्तक राजधानी रहेगा। भारत के राजधानी शहर दिल्ली को वर्ष 2003 में विश्व पुस्तक राजधानी होने का गौरव प्राप्त हुआ था।

कार्यक्रम : पुस्तक परिक्रमाएं

उत्तर प्रदेश	:	**जौनपुर-मछलीशहर**	12-15 अप्रैल, 2012
		इलाहाबाद-फूलपूर	16-19 अप्रैल, 2012
		कौशांबी	20-22 अप्रैल, 2012
		करवी	23-25 अप्रैल, 2012
		बांदा	26-29 अप्रैल, 2012
		हमीरपुर	30 अप्रैल - 2 मई, 2012
उत्तराखंड	:	**देहरादून**	4-21 अप्रैल, 2012
		रुड़की/हरिद्वार	11-13 अप्रैल, 2012
		श्रीनगर, न्यू टिहरी	22-25 अप्रैल, 2012
		ऋषिकेश	26-27 अप्रैल, 2012
		कोटद्वार (पुरी गढ़वाल)	28-29 अप्रैल, 2012
		नजीमाबाद	30 अप्रैल - 1 मई, 2012

बोलोना का बाल पुस्तक मेला

इटली के शहर बोलोना में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों एवं किशारों की पुस्तकों का विश्व का सबसे बड़ा पुस्तक मेला आयोजित किया गया। 19 से 22 मार्च, 2012 तक आयोजित इस पुस्तक मेले में भारत सहित विश्व के 66 देशों ने भाग लिया। इस मेला में 1200 प्रदर्शकों ने भागीदारी की। नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया सहित भारत के 14 भागीदार इस पुस्तक मेले में शामिल हुए।

बच्चों के लिए पुस्तकों के प्रकाशन की दुनिया की 'राजधानी' बनी इस बोलोना शहर में इस दौरान पुस्तक व्यापार, पुस्तक प्रोन्नयन, पुस्तक हेतु चित्र निर्माण आदि विविध पक्षों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इस बार पुर्तगाल सम्मानित अतिथि देश के रूप में आमंत्रित था। बाल पुस्तक उद्योग के इस सबसे बड़े वार्षिक आयोजन में प्रकाशक-व्यावसायिकों समेत लेखक, चित्रकार, अनुवादक, एजेंट, व्यापार विकासकर्ता, पैकेजर, प्रिंटर, वितरक आदि पुस्तक से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में आए और विचार-विमर्श किया।

हमेशा की तरह इस वर्ष भी चित्रकारों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, अनुवादकों के लिए केंद्र तथा चित्रकार कैफे निर्मित किए गए। 18 मार्च को प्रकाशन उद्योग के सर्वाधिक रुचिकर क्षेत्र डिजिटल एवं मोबाइल तकनालॉजी पर फोकस करता एक आयोजन हुआ। चित्रकारों की प्रदर्शनी में जहां बाल पुस्तकों के क्षेत्र में स्थापित चित्रकारों के चित्रों का प्रदर्शन किया गया था वहीं चित्रकारों के युवा ब्रिगेड के भी उम्दा चित्रों की प्रदर्शनी लगी थी।

बोलोना का यह बाल पुस्तक मेला अब तक का 49वां आयोजन था, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात लेखक चार्ल्स डिकेंस के 200वें जन्म वर्षगांठ को समर्पित था। आयोजन स्थल को इस तरह से निर्मित किया गया था कि वहां चार्ल्स डिकेंस की कृतियों के कई पात्रों को साक्षात देखा और अनुभव किया जा सकता था और आगंतुक स्वयं को 200 साल पीछे की दुनिया में स्वयं को पाते थे।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया अपने प्रकाशन सहित भारत के प्रमुख 14 बाल पुस्तक प्रकाशकों के चुनिंदा 100 पुस्तकों के साथ इस पुस्तक मेले में उपस्थित था। इस पुस्तक मेले में ट्रस्ट में उप निदेशक (कला) श्री देवब्रत सरकार तथा राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र के संपादक श्री मानस रंजन महापात्र ट्रस्ट-प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए। ट्रस्ट के स्टॉल पर प्रकाशन की दुनिया की कई नामचीन हस्तियां आईं और भारत में बाल पुस्तकों के बढ़ते बाजार एवं बढ़ते बाल लेखन पर अपनी प्रसन्नता जाहिर की।

दो ट्रस्टकर्मी सेवानिवृत्त

श्री हरिदत्त भट्ट : ट्रस्ट की 39 वर्षों की लंबी सेवा के बाद ट्रस्ट में सहायक, श्री हरिदत्त भट्ट 30 मार्च, 2012 को सेवानिवृत्त हो गए। 1972 में चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति के बाद वे अवर श्रेणी लिपिक तथा प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में प्रोन्नत हुए और अंत में सहायक के पद से सेवानिवृत्त हुए। अपनी इस लंबी सेवा-अवधि में उन्होंने ट्रस्ट के विभिन्न विभागों, यथा–लेखा, उत्पादन, विक्रय स्टोर तथा विक्रय प्रदर्शनी में अपनी सेवाएं दीं।

श्री विजय पाल : ट्रस्ट की 31 वर्षों की सेवा के बाद ट्रस्ट में पैकर, श्री विजय पाल 30 मार्च, 2012 को सेवानिवृत्त हो गए। 1981 में चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति के बाद प्रोन्नत होकर सन् 2000 में वे पैकर बने। सेवानिवृत्तिपर्यंत वे इस पद पर रहे। अपनी सेवा-अवधि में उन्होंने ट्रस्ट के प्रशासन, उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र, विक्रय स्टोर तथा लेखा अनुभागों में कार्य किया।

30 मार्च, 2012 को ट्रस्ट सभागार में समारोह पूर्वक साथियों ने इन दोनों को विदाई दी तथा उनके दीर्घ जीवन की कामना की।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नवीनतम प्रकाशन

हिंदी की आरंभिक कहानियां
चयन और भूमिका : गंगा प्रसाद विमल
पृ. 236 ` 95
नाम के अनुरूप पुस्तक में हिंदी की आरंभिक कहानियों का संचयन है। पुस्तक में कुल 23 लेखकों की एक-एक कहानी सम्मिलित की गई है। इस संग्रह में हिंदी की आरंभिक कहानियां उस काल की भाषा और कथा की प्रस्तुति के विधान से परिचय कराने का एक प्रयास है।

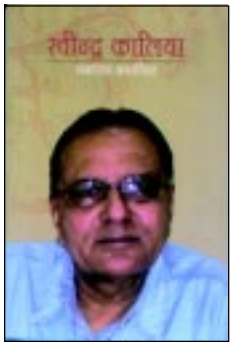

रवीन्द्र कालिया : संकलित कहानियां
पृ. 294 ` 120
रवीन्द्र कालिया साठोत्तरी कहानी के चर्चित कथाकार हैं। उनकी पच्चीस कहानियों का यह संकलन एक प्रकार से उनकी प्रतिनिधि कहानियां भी हैं। संवेदना और संरचना के स्तर पर ये कहानियां अन्यतम हैं। भूमिका विजयमोहन सिंह की है।

मध्यप्रदेश
शिवअनुराग पटैरया
पृ. 380 ` 165
भारत देश के मध्य में अवस्थित राज्य मध्यप्रदेश के भूगोल, समाज, संस्कृति, जनजीवन, भाषा-बोलियां, खानपान, पहनावा, कला, संगीत और महत्वपूर्ण विभूतियों आदि पर प्रामाणिक एवं सांगोपांग जानकारी है इस पुस्तक में।

त्रिपुरा की जनजातीय लोककथाएं (संकलन)
अनुवाद : गौरी बर्मन; पृ. 36 ` 45
तीन लेखकों की पांच कहानियों का संग्रह है इस संकलन में। लेखक हैं : श्यामलाल देववर्मा, रमेंद्रनारायण सेन तथा निरंजन चकमा। त्रिपुरी और चकमा लोककथाओं का अनुवाद किया है गौरी बर्मन ने। सुंदर चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक बाल पाठकों को रुचेगी।

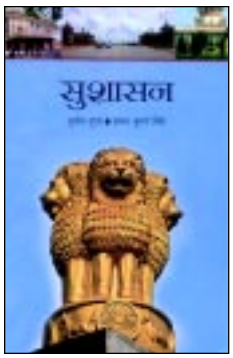

सुशासन
सुनील गुप्ता, कमल कुमार सिंह
पृ. 222 ` 110
सुशासन की संकल्पना, मूल तत्व, उद्भव व अवधारणात्मक विकास के साथ ही प्रजातंत्र, लोकभागीदारी, सम्य समाज और वैश्वीकरण आदि पर सुशासन के संदर्भ में विचार किया गया है।

मृदुला गर्ग : संकलित कहानियां
पृ. 218 ` 105
सामाजिक संवेदना और समाज की विडंबनाओं की चितेरी लेखिका के इस संग्रह में उनकी 17 चुनिंदा कहानियां सम्मिलित हैं। इनकी कथा-भाषा चुस्त और जानदार है, साथ ही कथा प्रस्तुति का सलीका भी असरदार है। भूमिका मैनेजर पांडेय ने लिखी है।

गंगा प्रसाद विमल : संकलित कहानियां
पृ. 218 ` 105
सामाजिक सरोकारों से जुड़ी 18 कहानियों के इस संग्रह की कहानियां हमारे आस-पास और परिवेश की भी कहानियां हैं। इन कहानियों में अपने समय से साक्षात्कार के दर्शन होते हैं। बिना किसी नाटकीयता के कहानियों को सहज ढंग से कहा गया है। भूमिका प्रो. आनंद कुमार की है।

गंध संवेद
शारदा बुलचंद; अनु. : के. के. कक्कड़
पृ. 96 ` 55
गंध संवेदना सभी संवेदनाओं में सबसे अधिक आदिम व रहस्यमय है। प्रस्तुत पुस्तक में संवेदी प्रणाली के कार्य, गंध चिकित्सा, घ्राण स्मृति की भूमिका तथा गंध संवेदना के विकारों के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है।

ऊर्जा एवं कार्बन डाइऑक्साइड : 21वीं सदी की चुनौती; *मालती गोयल;* पृ. 94 ` 85
वर्तमान शताब्दी के दो ज्वलंत विषयों–ऊर्जा एवं कार्बन डाइऑक्साइड पर लिखी गई यह पुस्तक सामान्य रूप से विज्ञान विषय में रुचि रखने वाले सभी पाठक को रुचेगी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण आज हमारा पृथ्वी ग्रह ही खतरे में पड़ा हुआ है। लेखिका ने 20 अध्यायों में विविध आयामों पर विचार किया है।

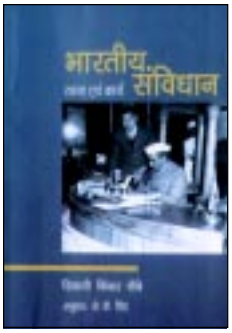

भारतीय संविधान : रचना एवं कार्य
शिबानी किंकर चौबे; अनु. : के. बी. सिंह
पृ. 250 ` 115
भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज मात्र नहीं है, यह एक राजनीतिक दिशा-निर्देश भी है। यह पुस्तक भारत के संविधान की रचना और उसकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालती है।

पुस्तक समीक्षा

आधुनिक परिवार में स्त्री (स्त्री विमर्श)
कमला सिंघवी; पृ. 112 ` 200
कल्याणी शिक्षा परिषद, 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, नई दिल्ली-02
इक्कीसवीं सदी की स्त्री अधिकारों से तो लबरेज है लेकिन घर और बाहर दोनों मोर्चों पर उनके समक्ष समस्याओं का पहाड़ है। लेखिका स्वयं ही एक स्त्री होने के नाते स्त्री-मन की तमाम गुत्थियों और प्रश्नों से वाकिफ हैं और समस्याओं के समाधान हेतु सन्नद्ध हैं। स्त्री-मन के कोनों-अंतरों से भी परिचित कराती यह पुस्तक बौद्धिक जुगाली से कोसों दूर है।

मोहन चोपड़ा की श्रेष्ठ कहानियां (कहानी संग्रह)
संपा. : सुनील चोपड़ा; पृ. 136 ` 195
किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-02
हमारे समय का मध्यवर्गीय समाज अनेक अंतर्विरोधों का शिकार है। जहां यह वर्ग पूंजीवादी संस्कृति और बाजार तथा उपभोक्तावाद के चंगुल में स्वयं को फंसा पाता है वहीं मध्यवर्ग का एक भाग ऐसा भी है जो आर्थिक-सामाजिक तौर पर जब एक पायदान ऊपर चढ़ता है तो वह भी उसी पूंजीवादी वर्ग के लोगों की तरह आचरण करने लगता है जिसकी कभी वह आलोचना किया करता था। 14 कहानियों का ऐसा ही गुलदस्ता।

नदी जो अब भी बहती है... (कहानी संग्रह)
कविता; पृ. 176 ` 250
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
'पत्थर, माटी, दूब...' से लेकर 'नदी जो अब भी बहती है...' की 13 कहानियों की यात्रा महज शब्द-यात्रा नहीं है वरन उस जीवनानुभव की भी यात्रा है जो युवा लेखिका ने जी और भोगी है। इस यात्रा में स्त्री की वेदना और संवेदना केंद्र में है जो हमारे समय और समाज में आज कदम-कदम पर यंत्रणएं भोगने को अभिशप्त है।

सुहाना सफर और ये मौसम हसीं
संकलन : नलिन सराफ; पृ. 120 ` 200
प्रकाशक : शैलेंद्र प्रशंसक परिवार, मुंबई
वितरक : जीवन प्रभात प्रकाशन, मुंबई
गीतकार शैलेंद्र के बिना हिंदी फिल्मी गीतों की चर्चा अधूरी मानी जाती है। संकलनकर्ता नलिन सराफ ने शैलेंद्र की संघर्षपूर्ण जीवन कथा तो उकेरी ही है, उनके कुछ गीतों, पत्र-व्यवहार आदि को भी इस पुस्तक में समाहित किया है। शैलेंद्र के साथ लेखक का आत्मीय रिश्ता था और उन पर लिख पाने का जोखिम भी उन्होंने इसी कारण उठाया है। शैलेंद्र कैसे मुंबई पहुंचे और उनके गीतों का सफर शुरू हुआ रोचक ढंग से इसमें बताया गया है।

ऊंची उड़ान : नवनिर्माण; *बी. के. अशोक;* पृ. 188
हेल्थ हारमोनी, बी. जैन पब्लिशर्स प्रा. लि., 1921, गली नं.-10, चूना मंडी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55
मानव जीवन अत्यंत जटिल है और मनुष्य की समस्याएं भी बहुविध हैं। मनुष्य अपने नाना रूप समस्याओं के समाधान हेतु कतिपय फौरी उपाय करता है, इस आशा में कि समस्या का समाधान हो जाएगा, किंतु समस्याएं जड़ से समाप्त नहीं होतीं। दरअसल, 'स्व' के पहचान के बिना किसी समस्या का समाधान नहीं है। 'स्व' की पहचान अच्छे और सकारात्मक विचार, गहरे चिंतन-मनन से ही संभव है। यह पुस्तक एक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

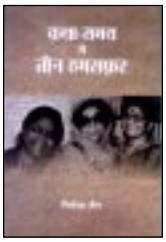

कथा-समय में तीन हमसफर (आलोचना)
निर्मला जैन; पृ. 216 ` 300
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-02
कृष्णा सोबती, मन्नू भंडारी और उषा प्रियंवदा आज के दौर की वैसी चर्चित रचनाकार हैं जिन्होंने अपनी जमीन स्वयं बनाई है। पुरुष-प्रभुत्व की इस दुनिया में ये न केवल अपने लिए जगह बना पाईं, वरन समस्त स्त्री जाति के लिए भी ऐसा रास्ता तैयार किया जिस पर वे बेधड़क और निडर होकर अपना सफर कर सकती हैं। इन तीन रचनाकारों के जीवन, कर्म एवं कृतित्व पर एक अन्य वरिष्ठ लेखिका द्वारा प्रामाणिक रूप से कलम चलाई गई है।

क्रिकेट (उपन्यास)
के. एल. मोहन वर्मा; पृ. 316 ` 310
भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-03
क्रिकेट विषय पर उपन्यास! लेकिन ऐसा ही किया है मलयालम के चर्चित उपन्यासकार ने। इस उपन्यास का ताना-बाना भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच से जुड़ी घटनाओं को लेकर बुना गया है। इसमें क्रिकेट में राजनीति और राजनीति में क्रिकेट तथा क्रिकेट में सट्टेबाजी से लेकर क्रिकेट संबंधी तमाम आंकड़ों के बीच प्रेम, प्रतिशोध आदि अनेक पहलू इस कदर अंतर्गुथित हैं कि ये सब कथावस्तु के अनिवार्य तत्त्व के रूप में दिखते हैं।

तेरी रोशनाई होना चाहती हूं (कविता संग्रह)
अलका सिन्हा; पृ. 104 ` 140
किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-02
प्रेम की निश्छल अनुभूतियों की शाब्दिक परिणति है यह कविता संग्रह। इस संग्रह में कवयित्री की भाव एवं संवेदना से परिपूर्ण प्रेमपरक कविताएं किसी भी भावुक हृदय को गहरे तक उद्वेलित और अभिसिंचित करती हैं। 'टूटकर प्रेम करने' का बिंब प्रेम की पराकाष्ठा है जो इस कृति में है। प्रेमानुभूतियों का एक भावभीना गुलदस्ता।

कौन जाए ग़ालिब! दिल्ली की गलियां छोड़कर? (कविता संग्रह)
डॉ. रश्मि मल्होत्रा; पृ. 96 ` 150
मुहिम प्रकाशन, 123, काजीवाड़ा, हापुड़-245101
यह कविता संग्रह एक भावुक कवि-मन का राग है जिसमें स्त्री, प्रकृति, आत्मा, यहां तक कि ग़ालिब भी शामिल हैं। इस कविता-यात्रा में जिंदगी है, जिंदगी का रहस्य है, संघर्ष है, दूधिया गंध है, दादी का भुलक्कड़पन है। कवयित्री दर्दों की ओढ़नी ओढ़ती है तभी ऐसी दर्दभरी कविताएं लिख पाती हैं।

उस पार इस पार (काव्य संकलन)
डॉ. रेखा चंदोला; पृ. 92 ` 100
हिंदी बुक सेंटर, 4/5-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-02
जीवन के विविध रंगों की छटा लिये इस कविता संग्रह का मुख्य स्वर प्रेम और शृंगार है। लेकिन इसमें वात्सल्य, विषाद, प्रकृति, देश प्रेम आदि के छींटें भी हैं जो इसे बहुरंगी और पठनीय बना देते हैं। छंदोबद्ध और मुक्त छंद दोनों की रूपों में लिखी कविताएं अपना अलग प्रभाव छोड़ती हैं।

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2012-14
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2012-14
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/04/2012

बाल साहित्य के लिए एक केंद्र

क्या आप
बाल साहित्य
की दुनिया से
जुड़ना चाहते हैं?

तो आप नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा.कें.) के पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केंद्र का सदस्य बनें, और पाएं..

- 44 भाषाओं में बाल पुस्तकें
- बाल पुस्तकों का संदर्भ और उन्हें सदस्यता शुल्क पर ले जाने की सुविधा
- रा.बा.सा.कें. पुस्तकालय के डाटाबेस तथा 2034 डेलनेट सदस्य पुस्तकालयों की ऑनलाइन जानकारी
- निःशुल्क प्राप्त करें, प्रतिमाह द्विभाषी बाल पत्रिका *पाठक मंच बुलेटिन* एवं प्रतिवर्ष एक डेस्क कैलेंडर; साथ ही, समय-समय पर रा.बा.सा.कें.(ने.बु.ट्र.) की होने वाली बैठकों, पुस्तक मेलों एवं संगोष्ठियों आदि के आमंत्रण पत्र
- 18 भाषाओं में बाल पत्रिकाएं सदस्यता शुल्क पर ले जाने की सुविधा

विस्तृत विवरण के लिए कृपया :

- हमारे वेबसाइट www.nbtindia.org.in/innerPage.aspx?aspxerrorpath=/NCCL.aspx पर संपर्क करें
- आई.पी.नं. 59.177.81.15:8000 पर संपर्क करें
- अपनी जिज्ञासा हमारे ई-मेल nccl@nbtindia.org.in पर भेजें
- सभी कार्यदिवसों पर सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे के बीच हमें 26707712, 26121726 नंबरों पर फोन करें
- कार्यालय समय में आकर मिलें/पुस्तकालय-सह-प्रलेखन अधिकारी को लिखें

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5, इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मुख पत्र है।

इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से ट्रस्ट की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन सहयोग : **दीपक जैसवाल**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः nbtindia@ndb.vsnl.net.in
वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 की ओर से सतीश कुमार, संयुक्त निदेशक (उत्पादन) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित; तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 119, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, फेज-I, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार के सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070